

**भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान,
खण्डवा रोड, इंदौर-452001**

फाइल क्रमांक: प्रस एव पाब्लासटा@प्रस नाट/ 2020/15

दिनांक : 23.12.2020

स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत “कोविड 19 एवं उचित व्यवहार” वेबिनार का आयोजन

भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान द्वारा दिनांक 16 से 31 दिसम्बर 2020 के दौरान आयोजित किये जा रहे “स्वच्छता पखवाड़ा-2020” के अंतर्गत आज दिनांक 23 दिसम्बर 2020 को “कोविड 19 एवं उचित व्यवहार” विषय पर वचुअल-ऑन लाइन माध्यम से जूम एप्प पर वेबिनार आयोजित किया गया। इस अवसर पर आतिथ्य वक्ता संस्थान के डा. बी.यू. दुपारे, प्रधान वरिष्ठानक द्वारा संस्थान में विगत वर्ष में स्वच्छता सम्बन्धी कार्या बाबत अनुभव प्रस्तुत करते हुए वर्तमान में आ रहा कावड-19 बामारा के सक्रमण का रोकने हेतु विभिन्न स्तरों पर स्वच्छता के महत्त्व का समझाया। उन्होंने कहा कि, यह वायरस सक्रमित व्यक्ति से उनके सास का बूँद से खासन या छाकन का प्राक्रया से या दूषित सतहा का छूने से फैलता है तथा कुछ घंटों से लेकर कई दिनों तक जावत रहता है, अतः अपने घर, पारसर का स्वच्छ एवं सक्रमणरहित रखना चाहिए। साथ ही व्यक्तिगत स्वच्छता का अपनाकर इससे दूर रखने में सहायता मिलता है। इस वेबिनार के माध्यम से डॉ. दुपार ने कावड 19 से बचाव हेतु 4 सरल उपाय जसे व्यक्तिगत स्वच्छता (साबुन से हाथ धोना), सामाजिक दूरी, मास्क का उपयोग तथा सपके सतहा का साफ सफाई पर विशेष ज़ोर देते हुए, घर में आम तौर पर उपयोग किये जाने वाले सतह जसे दरवाज़े, हडल, टेबल, कुर्सी, बाथरूम, नल, शौचालय, लाइट स्विच, मोबाइल, लैपटॉप, रमाट आदि का स्वच्छ एवं साफ रखना चाहिए। साथ ही डा. दुपार ने यह भी कहा कि शासकाय कार्यालय में यदि अत्यंत ही आवश्यक हो, बैठक का आयोजन कर या वचुअल/ऑनलाइन बैठक का आयोजन किया जाना चाहिए।

निदेशक डा. नाता खाडकर द्वारा ने इस अवसर पर अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में उन्होंने कहा कि हम सभी का न केवल अपने कार्यस्थल, बल्कि अपने आस-पास के सभी सार्वजनिक स्थानों का स्वच्छ एवं साफ सुथरा रखने हेतु व्यक्तिगत तौर पर ध्यान देना चाहिए जिससे स्वच्छता का निरंतर कायम रखा जा सकता है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि कावड 19 के निदानदशा का पालन करना आज की आवश्यकता है। इस वेबिनार कार्यक्रम का संचालन संस्थान के श्री श्याम किशोर वर्मा ने किया जबकि श्री विकास केशरी द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

